

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 29-06-2021

वर्ग-सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

सप्तमः पाठः

श्लोक और शब्दार्थ को याद कीजिए।

सप्तमः पाठः

पीयूष-बिन्दवः
(श्लोकाः)

उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
नहि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ [1]

चन्द्रं शीतलं लोके चन्द्रनादपि चन्द्रमाः।
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसङ्गतिः॥ [3]

जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
सः हेतुः सर्वविद्यानाम् धर्मस्य च धनस्य च॥ [5]

यथा हि एकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत्।
एवं पुरुषकारेण विना देवं न सिद्ध्यति॥ [2]

वृथा वृष्टिः समुद्रेषु, वृथा तृप्तस्य भोजनम्।
वृथा दानं समर्थस्य, वृथा दीपो दिने यथा॥ [4]

अलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम्।
अधनस्य कुतो मित्रं, अमित्रस्य कुतः सुखम्॥ [6]



विशेष

- ❖ संख्यावाची शब्द सदैव विशेषण होते हैं। अतः उनका लिंग, विभक्ति और वचन विशेष्य के अनुसार होता है। जैसे- एकेन चक्रेण, चत्वारः पुत्राः, तिस्रः कन्याः, त्रीणि पुष्पाणि आदि।
- ❖ निम्नलिखित वाचक शब्दों के लिए भिन्न-भिन्न प्रश्नवाचक अव्यय/पद होते हैं। जैसे-

स्थानवाचक - कुत्र/कुतः	समयवाचक - कदा
प्रयोजनवाचक - किमर्थम्	गुणवाचक - कीदृशः/ कीदृशी/कीदृशम्
विधिवाचक/रीतिवाचक - कथम्	संख्यावाचक - कति

शब्दकोश (Dictionary)

उद्यमेन	मेहनत से	With hard work	सिध्यन्ति	पूरे होते हैं	complete
मनोरथैः	इच्छाओं से	With desires	चक्रेण	पहिए से	With wheel
पुरुषकारेण	परिश्रम से	With hard work	दैवम्	भाग्य	Destiny
वृष्टिः	वर्षा	Rain	पूर्यते	भरा जाता है	Is filled
अलसस्य	आलसी का	Of lazy one	हेतुः	नियम	Rule
अव्यय					
एवम्	इस प्रकार	Thus	वृथा	बेकार	Useless
कुतः	कहाँ से	From where	हि	निश्चय ही	Definitely
नई धातुएँ					
पूर	भरना	To fill with	सिध्	सफल होना	Succeed

